

कोपयिक्ताकोरोसुना
उत्तरदेउपाध्यायवर्द्ध



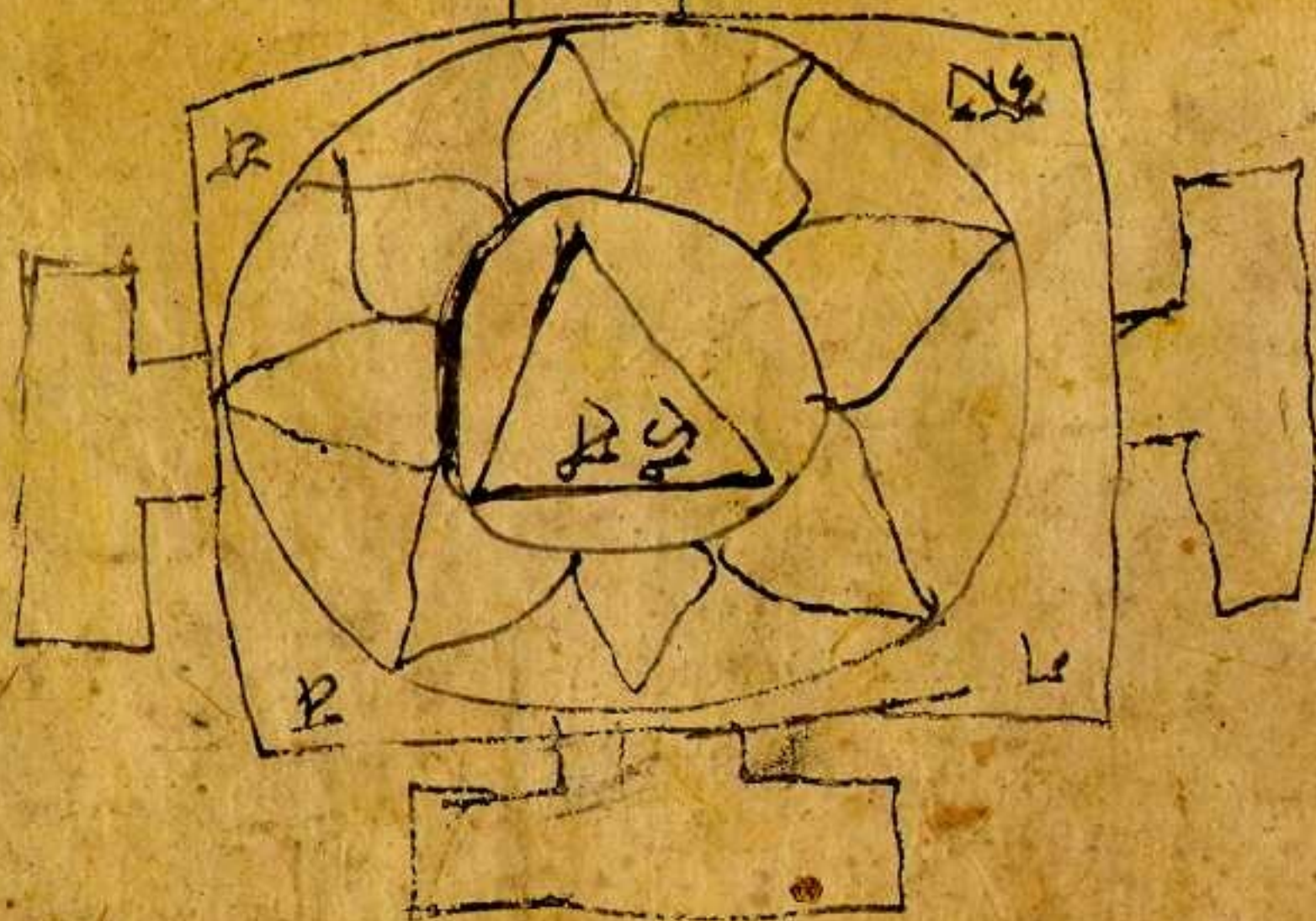
ॐ
ओम्

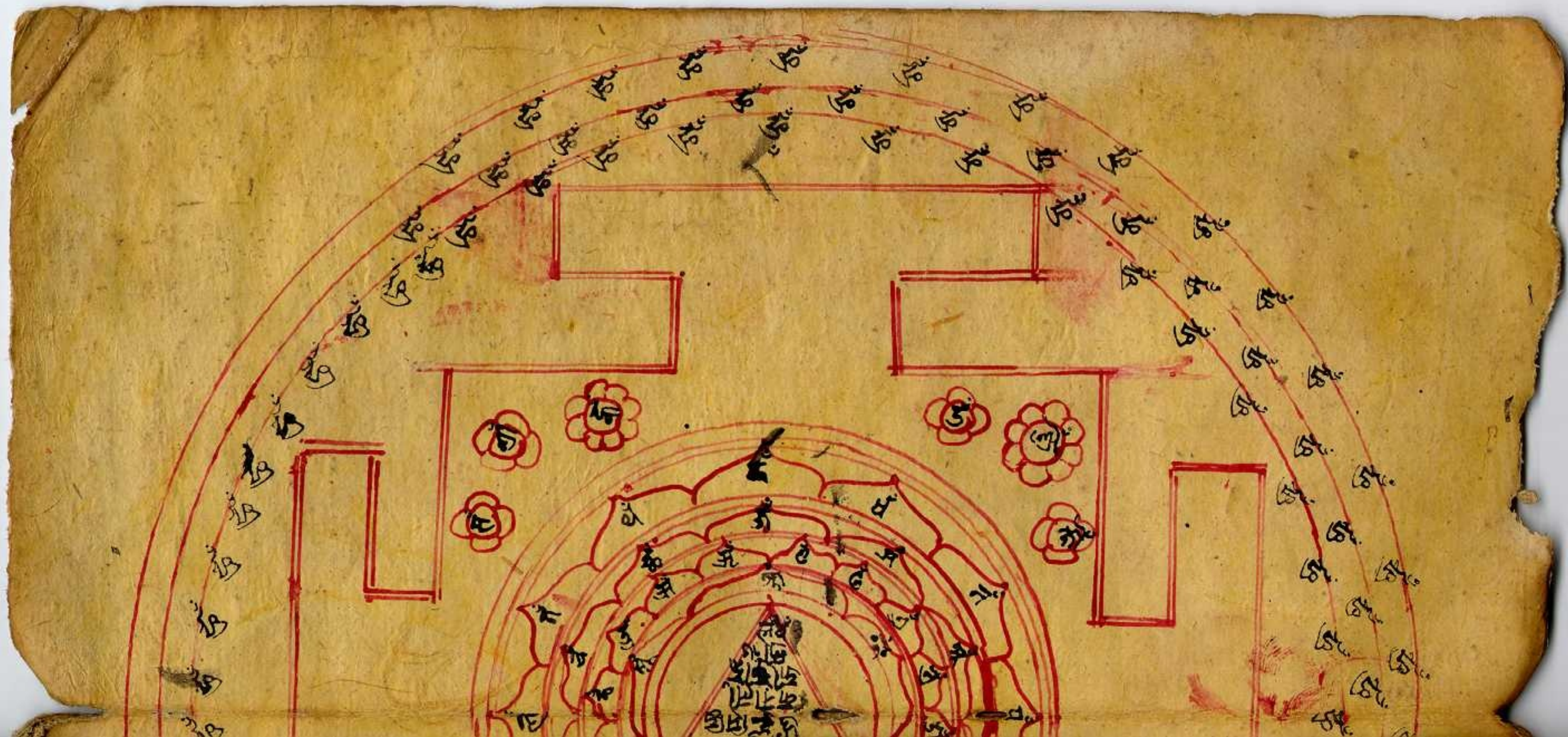
五、

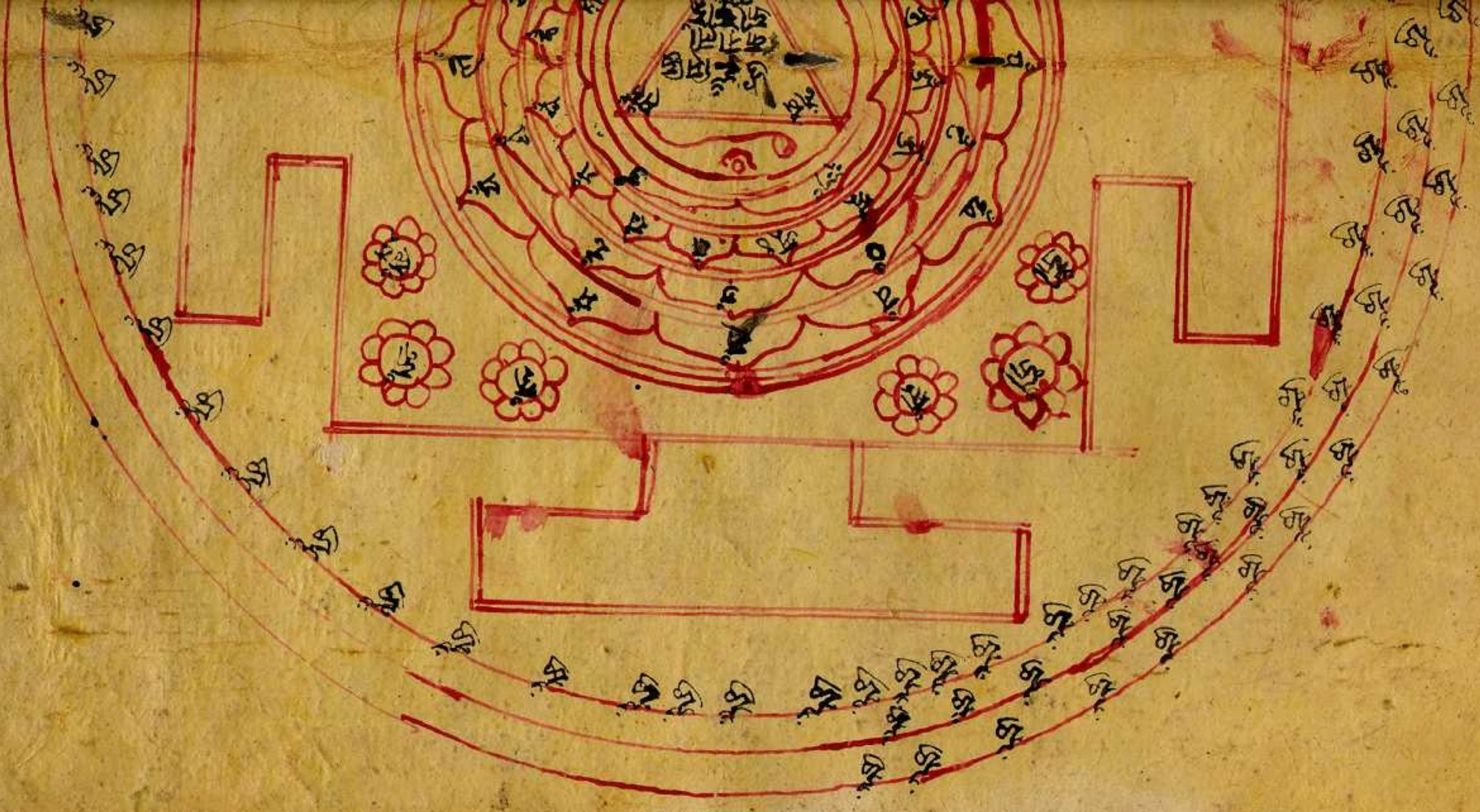
[illegible]

॥ ५३४०१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००॥

五十二卷







विमलपादमन
उल्लनाम्नायर्षव
कनमलुल

सगलपनिनाथ

महाकुसुमकुण्डकनाथ



पुत्र



ईवा ममसीदिगायीक्षुष्टुनूमदुन

याक्षिभ

नी विद्या४

विद्या मल १४

२०
क्षि
क्षि
क्षि

२०
क्षि
क्षि

२०
क्षि
क्षि
क्षि

२०
क्षि
क्षि

निवमल ३

अपमजिगा १०

यमम को १३

२०
क्षि
क्षि
क्षि

२०
क्षि
क्षि

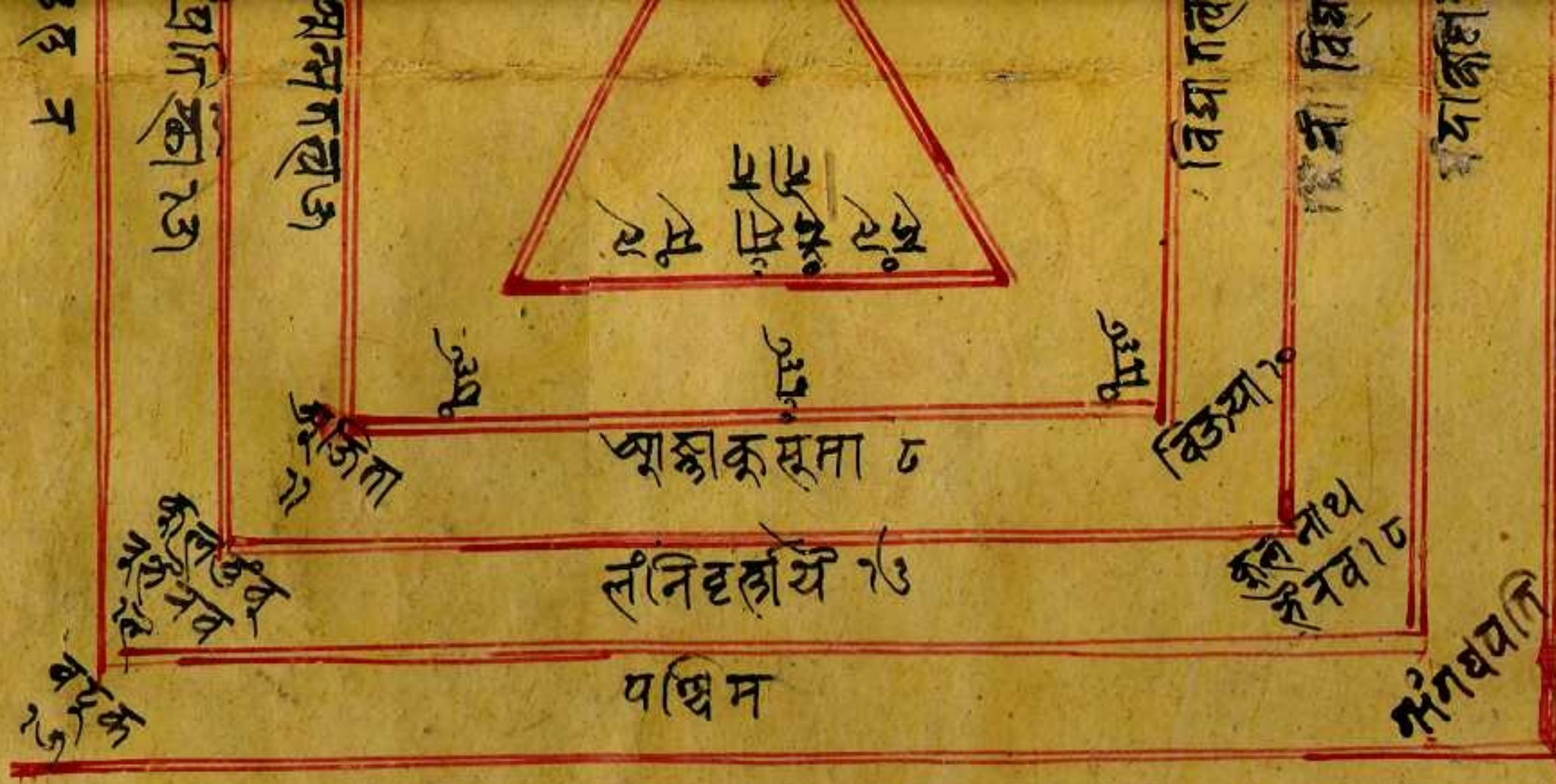
२०
क्षि
क्षि

२०
क्षि
क्षि

उर न

वैद्यनि

अन्यप



पश्चिमाग्नायजूवा मत्त

ॐ
ॐ
कंसेनं

ॐ
ॐ

यां सर्वं

ॐ
निका

ॐ
कुरुवाल

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

1990
ASHA ARCHIVES

द्वितीयः अध्यायः

दृष्ट नू
श्रीति



वाँ बरूकाय

हो नदी यथाय ॥

कर्मशास्त्रक.

॥ १ ॥

द्विक

कटि

不命

三

五

सिद्ध भूष

विम

ख ५

五

शिवानं

वज्र

कमल

可也

॥२॥

46

माभा

志

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷一百一十五

謝

五

五

५॥



九

م

107

ਪੰ

१५

不

सक
श्री
नी

दा

अक

रता

कला

यंजा

अम

कमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

अमला

॥ अमला ॥

अमला

अमला

अमला

अमला

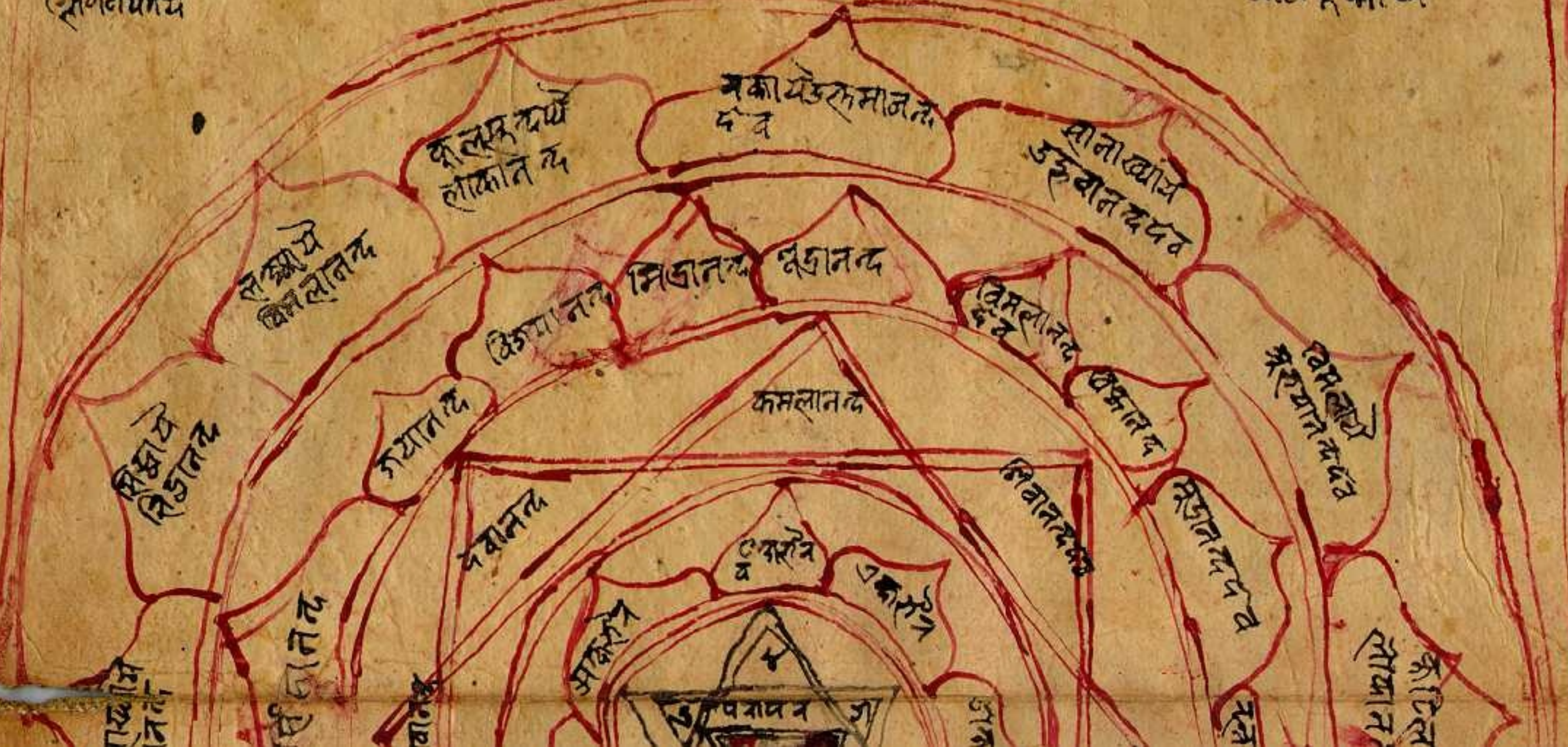
अमला

अमला

१ कर्मविवेक
 अत्रिकालोपाकार
 समस्त कर्मसमाप्त
 वनमाज्ञानविवेक

वीरदकाय

सौमलपत्र



ॐ

ॐ

कालिदास
सोपान नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

वैष्णव
विष्णु नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः



कालिदास
सोपान नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

सुज्ञान नमः
केशवो नमः

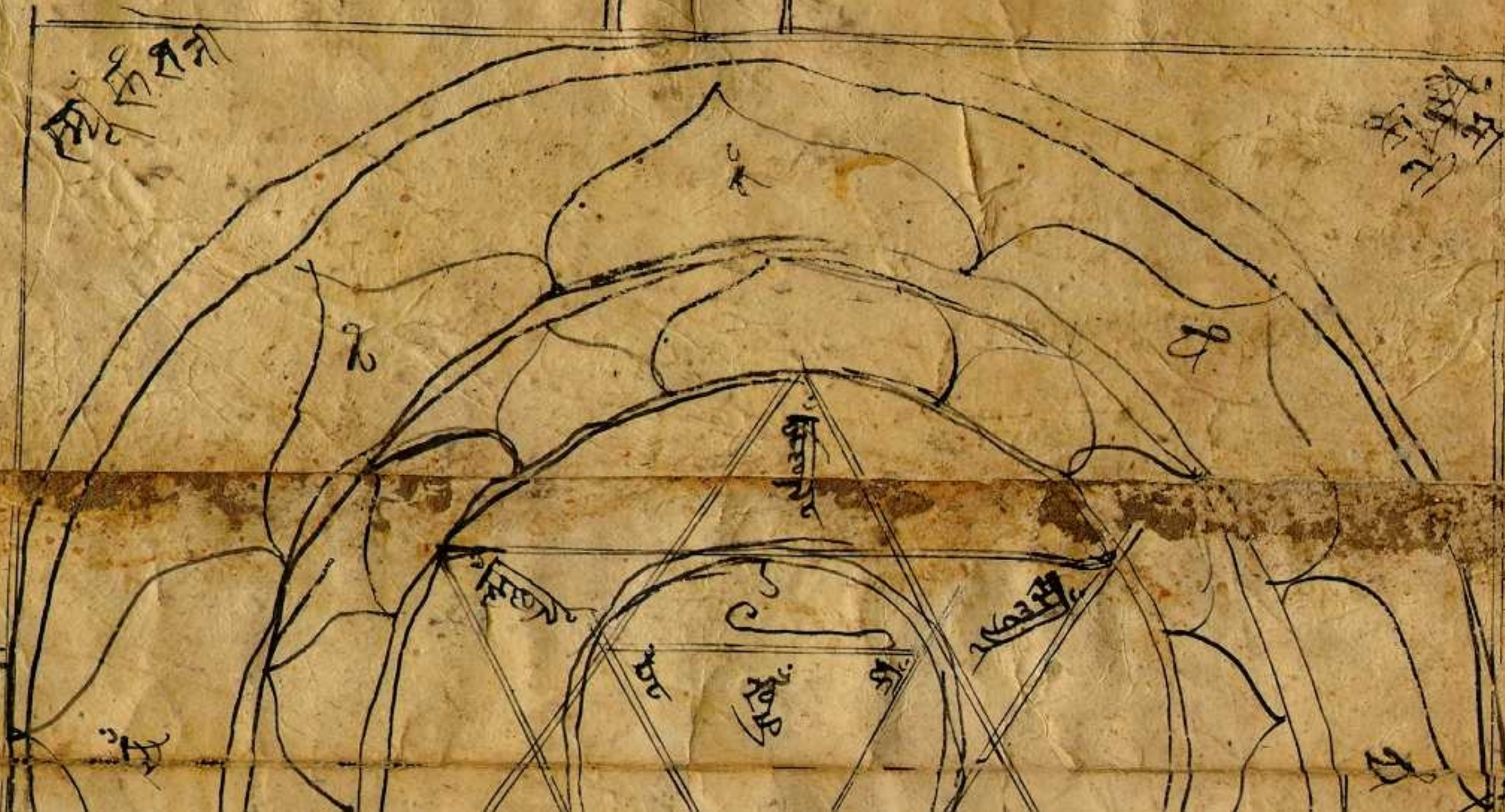
कांत चाल

कांत चाल

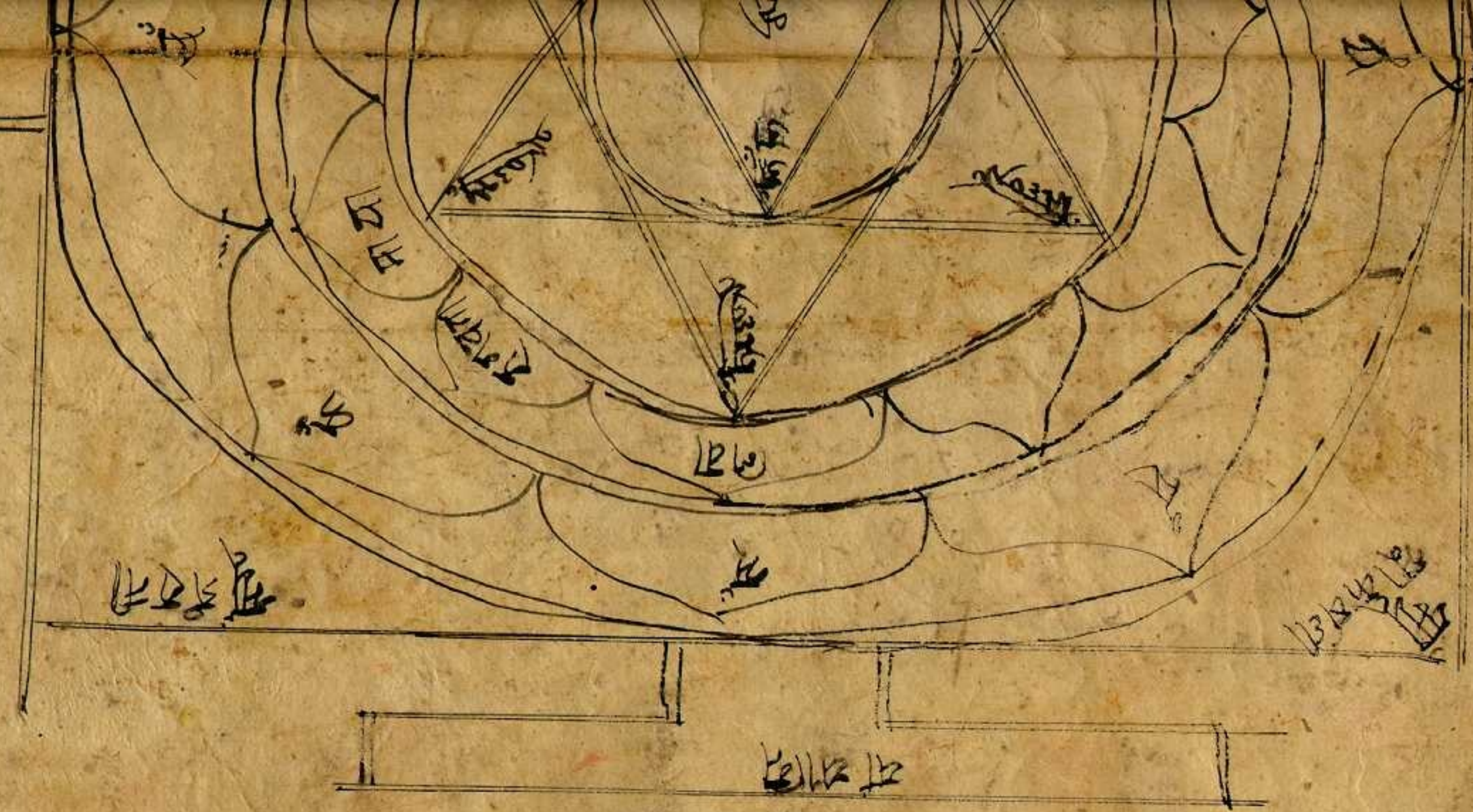
कांत चाल

कांत चाल

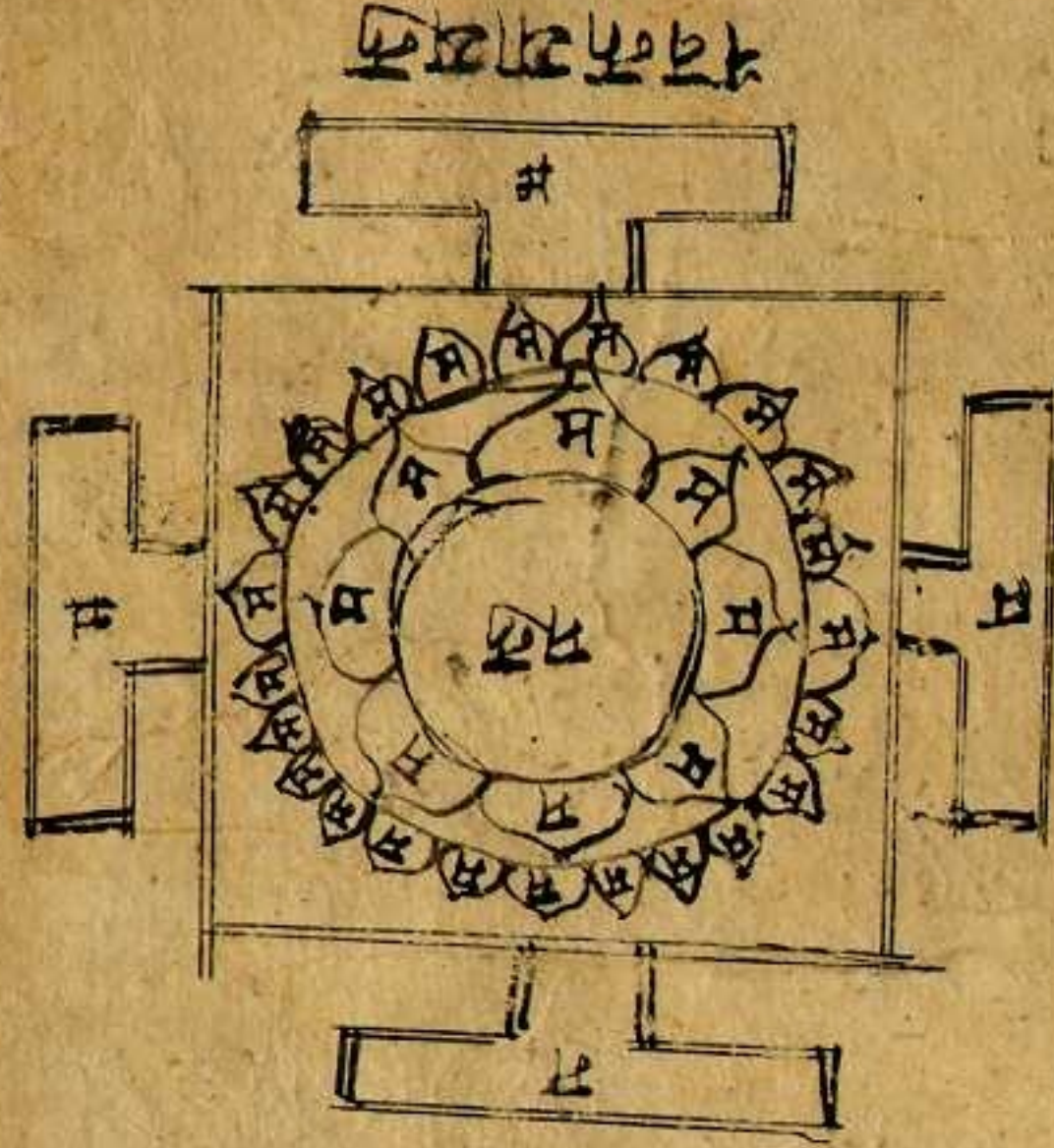
कांत चाल

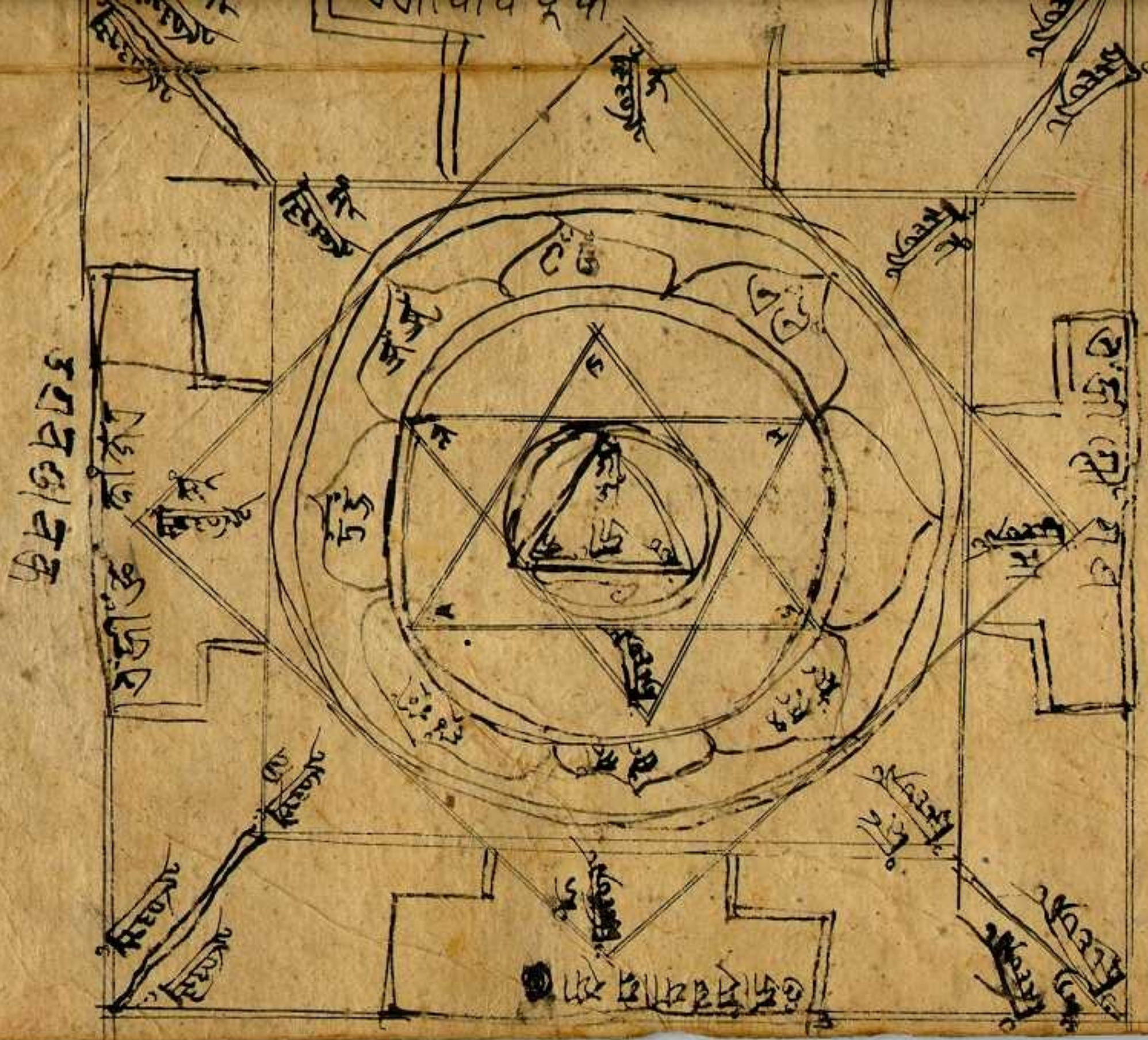


॥ श्रीगंगा व ॥



सिंहिल श्रीवक्





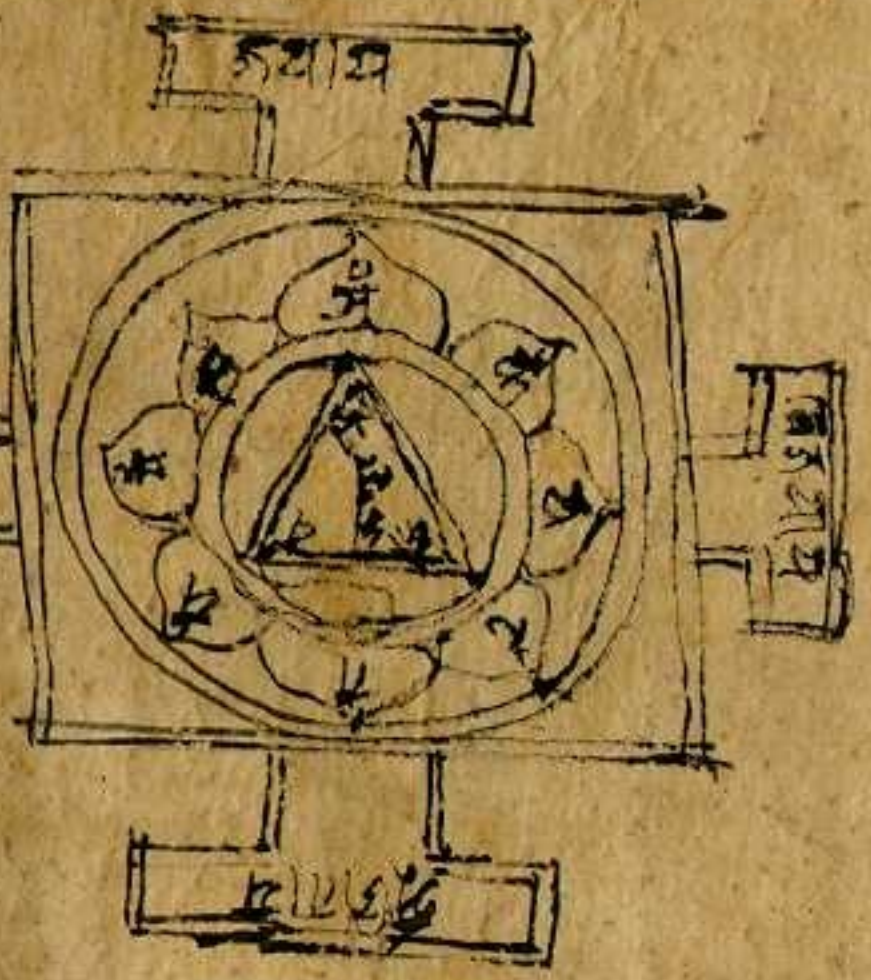
|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||
|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



कात्यायनीयक

५ सं ४४ गी०